S-341

Total Pages : 2 Roll No. .....

MAJY-504

ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय-01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. ग्रहण का परिचय देते हुए स्वरूप का विश्लेषण कीजिए।

2. 'भूभा' की सैद्धान्तिक व्याख्या कीजिए।

3. शर एवं बलन को क्षेत्र प्रदर्शन द्वारा सिद्ध करें।

4. ग्रहोदयास्त पर टिप्पणी लिखिए।

5. अयनाक्षदृक्कर्म से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ग्रहण में लम्बन एवं नति की क्या भूमिका है?

2. श्रृंगोन्नति का परिचय दीजिए।

3. चन्द्रमा के शुक्लत्व एवं कृष्णत्व के कारण स्पष्ट कीजिए।

4. ग्रहयुति से क्या तात्पर्य है?

5. रवीन्द्वोः षड्भयतयोः प्रागवल्लग्नान्तरासवः..... श्लोक की पूर्ति करते हुए भावार्थ लिखिए।

6. उदयास्त काल में दिशा ज्ञान कैसे करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

7. दृक्कर्म से आप क्या समझते हैं?

8. नक्षत्रों के कालांश लिखिए।